वार्षिक उपलब्धियां 2020-21

1. कोंकण रेलवे ने नेपाल रेलवे को आईसीएफ, चेन्नई द्वारा निर्मित 5 कार दो डेमू ट्रेनसेट की आपूर्ति, सुपुर्दगी के साथ उन्हें कार्यान्वित करते हुए अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस परियोजना में शामिल कोंकण रेलवे की टीम ने नेपाल रेलवे से आदेश प्राप्त करने से लेकर नेपाल रेलवे की संतुष्टि के साथ परियोजना को सफलतापूर्वक निष्पादित करने तक अनुकरणीय पहल की है। कोंकण रेलवे को नेपाल रेलवे से ट्रेन सेवाओं के परिचालन करने के लिए आदेश प्राप्त होने की भी उम्मीद है। कोंकण रेलवे द्वारा नेपाल रेलवे को आईसीएफ, चेन्नई द्वारा निर्मित 5 कार दो डेमू ट्रेनसेट की आपूर्ति, सुपुर्दगी के साथ उन्हें कार्यान्वित करते हुए अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कोंकण रेलवे को नेपाल सरकार से इससे संबंधित भुगतान और प्रशंसा पत्र भी प्राप्त हुआ है। के.आर.सी.एल को अप्रैल 2021 में नेपाल रेलवे से ट्रेन सेवाओं के परिचालन का कार्य आदेश मिला है। के.आर.सी.एल के लिए ट्रेन परिचालन और रखरखाव के क्षेत्र में यह पहली अंतर्राष्ट्रीय परियोजना होगी।

2. कोंकण रेलवे ने सभी रनिंग स्टाफ का इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन कन्वर्जन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस प्रशिक्षण में लगभग दो महीने अध्ययन कक्ष में गहन अभ्यास के साथ वास्तविक लोको प्रशिक्षण भी दिया गया। इस प्रशिक्षण में 440 रनिंग स्टाफ हेतु लगभग 26000 कार्य-दिवस शामिल थे। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के साथ प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करते हुए संपूर्ण प्रशिक्षण इन-हाउस आयोजित किया गया, इसमें अभिनव पाठ्यक्रम मॉड्यूल शामिल करते हुए निकट रेलवे में फील्ड प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस इन-हाउस प्रशिक्षण से कोंकण रेलवे को काफी आर्थिक बचत हुई। साथ ही साथ ट्रेन परिचालन के लिए रनिंग स्टाफ की अधिक उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई। रेलवे बोर्ड और संबंधित क्षेत्रीय रेलों को कोंकण मार्ग पर चलने वाली गाड़ियों की कोचिंग लिंक के लिए इलेक्ट्रिक इंजन जोड़ने की योजना बनाने का अनुरोध पहले ही किया जा चुका है। हम मध्य रेलवे में परिचालित किए जा रहे डब्ल्यूसीएएम और डब्ल्यूसीएजी श्रेणी के इंजनों पर भी रनिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

3. ओएचई के तहत सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए पैरा 'सी' के एसीटीएम मद संख्या 6 के अनुसार प्रत्येक रो-रो वैगनों में चार अर्थिंग केबल लगाए जा रहे हैं। आज की तारीख में 338 वैगनों में से 240 वैगनों में अर्थिंग केबल लगा दी गई है

4. कोंकण रेलवे को रेल मंत्रालय द्वारा भारतीय रेल के "रोलिंग स्टॉक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स" शुरू करने के लिए अन्य चयनित पीएसयू के साथ सूचीबद्ध किया गया है। भारतीय रेलवे की "रोलिंग स्टॉक ऑन बोर्ड" परियोजनाओं को शुरू करने हेतु कोंकण रेलवे के नामांकन के लिए रेलवे बोर्ड को विस्तृत प्रस्ताव पहले ही प्रस्तुत किया गया है।

5. कोंकण रेलवे ने उत्तर मध्य रेलवे के इलाहाबाद मंडल में तीन एटीईएस प्रणाली स्थापित और कार्यान्वित की हैं। यह प्रणाली इलाहाबाद मंडल के ट्रंक रूट में गाड़ियों में हॉट एक्सल, ब्रेक बाइंडिंग के मामलों का पता लगाने में सक्षम है। भारतीय रेलवे के ट्रंक मार्गों पर 120 किमी प्रति घंटे से

अधिक गति के लिए कार्य करने हेतु इस प्रणाली को उसके अनुसार अपग्रेड किया गया है। इसे शामिल करते हुए अब देश में एटीईएस के 10 इंस्टॉलेशन हो जाएंगे।

6. रोलिंग स्टॉक कंपोनेंट फैक्ट्री के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसमें एलएचबी बोगी ओवरहॉल शेड के निर्माण के साथ संबंधित मशीनरी और प्लांट, बिजली आपूर्ति व्यवस्था, यूटिलिटि ब्लॉक और आवश्यक सुविधाओं के निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 25 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की है। इस वर्ष के दौरान 25.69 करोड़ रुपए की प्रगति हासिल की गई है, जो समझौता ज्ञापन के 24 करोड़ रुपए लक्ष्य की तुलना में 7.04 % अधिक है।

7. **स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट (एसीडब्ल्यूपी) और स्वचालित ट्रेन परीक्षा प्रणाली (एटीईएस) के लिए आईएसओ-9000 प्रमाणन** : केआरसीएल के दो रोलिंग स्टॉक रखरखाव प्रौद्योगिकी उत्पाद – (1) स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट (एसीडब्ल्यूपी) और (2) स्वचालित ट्रेन परीक्षा प्रणाली (एटीईएस) इन प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, स्थापना और कमीशनिंग में गुणवत्ता प्रबंधन प्रथाओं के लिए आईएसओ 9001 हैं: 2018 प्रमाणित है। एटीईएस प्रौद्योगिकी को भारतीय पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार से पेटेंट भी प्रदान किया गया है।

8. **अन्य उपलब्धियां और विशेषताएं**

क) सीसीसी/मडगांव में एलएचबी डिब्बों का एसएस-I शेड्यूल कार्य प्रारंभ किया गया है और कोंकण रेलवे के 31 एलएचबी डिब्बों का एसएस-I शेड्यूल किया गया है।

ख) मध्य रेलवे के सहयोग से कोंकण रेलवे में पहली बार ट्रैक मशीनों का यूएसएफडी परीक्षण प्रारंभ किया गया। बीसीएम 385, डीजीएस, सीएसएम 947 और सीएसएम 954 का यूएसएफडी एक्सल परीक्षण पूरा किया गया है। यूएसएफडी परीक्षण के लिए इन-हाउस क्षमता भी विकसित की जा रही है।

ग) यांत्रिक विभाग द्वारा टॉवर वैगनों (डीईटीसी) का अनुरक्षण प्रारंभ किया गया है। अनुरक्षण पद्धतियों को तैयार करना, पुर्जों की योजना बनाना और कर्मचारियों का प्रशिक्षण इत्यादि कार्य प्रगति पर हैं।

ङ) कोंकण रेलवे का रो-रो रेक बेंगलुरु (नेलमंगला) - सोलापुर (बाले) के बीच रो-रो सेवा के परीक्षण के लिए उपलब्ध कराया गया। 30.08.2020 को कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा माननीय केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और माननीय राजस्व मंत्री और बेंगलुरु ग्रामीण के जिला प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में वीडियो लिंक के माध्यम से सेवा का उद्घाटन किया गया। दक्षिण रेलवे पर रो-रो सेवाओं की व्यवहार्यता की जांच करने के लिए दक्षिण रेलवे में रो-रो रेक के परीक्षण के लिए एमएमडी (अधिकतम मूविंग डायमेंशन) के उल्लंघन की जांच करने के लिए विशेष फिक्चर के साथ रो-रो वैगन को विकसित किया गया है।